[श्री लखन लाल कपूर]

सिंचाई का प्रबन्ध किया जाये । इसी तरह से आज जो भुखमरी की संख्या बढ़ती जा रही है वह कम हो सकती है । आज हम देखते हैं कि हमारे यहां जो पढ़ लिखे नौजवान हैं उनमें बेकारी बढ़ रही है । आज भारत में 30 हजार इंजीनियर्स बेकार हैं । इससे बढ़कर लज्जा की बात हमारे लिये क्या हो सकती है । यह जो 20 हजार पढ़ लिखे इंजीनियर हैं यह देश के निर्माण के काम में हाथ बटा सकते थे, समाजवाद के निर्माण में हाथ बटा सकते थे, वह बेकार हैं और बेकार होकर भुखमरों की टोली बना कर इधर उधर भटक रहे हैं । इससे बढ़ कर लज्जा की बात और क्या हो सकती है ?

आपने बड़ी बड़ी इंडस्ट्रीज खोली हैं, हेवी इंजीनियरिंग कारखाने खोले हैं । क्या इसी तरह से आप देश को अमरीका बनायेंगे । आज हिन्दुस्तान अमरीका तो नहीं बन पाया, हां, वह कुछ और बन गया है । इसलिये जब तक स्माल स्केल इण्डस्ट्रीज नहीं चलाई जातीं, जब तक गांवों में उद्योगों का जाल नहीं बिछ जाता, तब तक यह बेकारों की आबादी बढ़ती रहेगी और लोगों में असन्तोष बढ़ेगा । लोग झंडे जलायेंगे, रेलें तोड़ेंगे, बसें जलायेंगे, दूकानें लूटेंगे और अराष्ट्रीय तत्वों का प्रसार होगा । अराष्ट्रीय तत्वों के बढ़ने से चीन और पाकिस्तान हिन्दुस्तान को ध्वस्त करेंगे और उन को देश की एकानमी को बरबाद करने में, राष्ट्रीयता को तोड़ने में, हिन्दुस्तान के सारे मन्सूबों को चूर चूर करने में सफलता मिलेगी ।

आज वियटनाम में एक नरमेध यज्ञ हो रहा है, यह नरमेध यज्ञ पिछले कई वर्षों से हो रहा है । इसके लिये साउथ ईस्ट एशिया के छोटे छोटे मुल्क भारत को अपना नेता मानते थे, बड़ा भाई मानते थे, उन्हें हम से बड़ी बड़ी उम्मीदें थीं । जब हिन्दुस्तान आजाद हुआ था तब उन्होंने बड़ी आशायें हम से लगाई थीं, लेकिन उनकी सारी आशाओं पर पानी फिर गया । आज चीन और अमरीका के बीच में जो भिड़न्त वियटनाम के सम्बन्ध में हो रही है, उसके सम्बन्ध में भारत की ओर कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है क्योंकि हम अमरीका के मुखापेक्षी हैं । हम वहां से कर्जा मांगते हैं, अन्न मांगते हैं, मशीनें मांगते हैं । हम अमरीका के गुलाम हैं । इसलिये हमारी हिम्मत नहीं होती अमरीका के खिलाफ बोलने की और न्याय स्थापित करने की । आज साउथ ईस्ट एशिया के छोटे-छोटे मुल्क हमारी तरफ देख रहे हैं, आज वह एक नेता खोज रहे हैं, लेकिन भारत की वैदेशिक नीति में इतनी फेल्योर रही है कि उसमें नेता बनने की क्षमता नहीं रह गई है । हम मार खाये हुए हैं । आज हम छोटे छोटे मुल्कों को सौहार्द से अपना सकते हैं, उनको कोआपरेशन दे सकते हैं ताकि वह हमारी रहनुमाई में चलें । आज अमरीका रूस और चीन के जो तीन दैत्य हैं, जो शोषित पीड़ित मानवता को निगल जाने के लिए उद्यत हैं, उनसे बचाने के लिये हमें कुछ करना है । मानवता पर आज जो खतरा है, हिन्दुस्तान पर जो खतरा हो रहा है, उसको उससे बचाने की हम में क्षमता है । उसके लिये भारत सरकार को ठोस कदम उठाना चाहिये ।

आज जो सवाल यहां उठाया जा रहा है कच्छ के मामले में, उसके सम्बन्ध में स्थिति यह है कि इंटरनेशनल कोर्ट का फैसला हुआ है । मैं कहना चाहता हूं कि एक इंच भूमि भी पाकिस्तान को नहीं मिलनी चाहिये चाहे इसके लिये हिन्दुस्तान स्वाहा हो जाये । इसके लिये हम लोहे से लोहा बना कर रहेंगे इसके लिये हम को सरकार को ऐश्योरेंस देना चाहिये ।

16.52 hrs.

RE. AWARD OF KUTCH TRIBUNAL —*Contd.*

श्री मनुभाई पटेल : उपाध्यक्ष महोदय, मैं अपनी एक गलती सुधारना चाहता हूं । जब श्री मधु लिमये ने कहा कि उन्होंने रेडियो पर कच्छ के बारे में सुना, तब मैंने कहा था कि

यह अनुमान है क्योंकि जेनेवा के 4 बजे के समय के अनुसार यहां 8.30 बजे उसके बारे में मालूम होगा । लेकिन अभी मने बाहर जाकर देखा कि रायटर की मेसेज है और उसमें यह है कि 90 परसेंट भारत के साथ है और 10 परसेंट पाकिस्तान के साथ जाता है और वह बात कन्फर्म हो गई।

मुझ को जो दहशत है वह मैं आपके सामने अर्ज करना चाहता हूं । मेरे पास ऐसी माहिती थी कि जैसे ही यह अवार्ड अनाउन्स होगा, पाकिस्तान तैयार रहेगा और अनाउन्समेंट के अनुसार जितनी धरती उसके पास आने वाली है उसके ऊपर वह मार्च कर जायेगा । इसके बारे में इस सदन को विश्वास में लेकर पूरी सूचना यहां दी जानी चाहिये । इसलिये मैं आप के जरिये से विनती करता हूं कि चाहे डिफेन्स मिनिस्टर हों, चाहे होम मिनिस्टर हों या एक्सटर्नल अफेअर्स मिनिस्टर हों, वह हाजिर रह कर हमें कोई विश्वसनीय सूचना दें, जिसमें हम [सके बारे में सोच विचार कर सकें । आप किसी मिनिस्टर को बुलायें ताकि हम को यह सूचना मिले whether Pakistani forces are marching towards that area to occupy it.

MR. DEPUTY-SPEAKER: I will convey.

SHRI M. L. SONDHI: If the Prime Minister is in possession of the Award her foremost duty is to come here and inform us.

MR. DEPUTY-SPEAKER: I shall convey it to the Minister of Parliamentary affairs and through him to the Prime Minister.

SHRI M. L. SONDHI: If it is in her possession, what prevents her from sharing it with the House at once?

MR. DEPUTY-SPEAKER: I entirely agree with what you say; the House is anxious to know about it. I fully share your anxiety. All the sections of the House are very anxious. I shall see that the Minister of Parliamentary Affairs is approached and if he agrees to give some information immediately, it will be good.

श्री लखन लाल कपूर : प्रधान मन्त्री को बुलाया जाए ।

श्री कंवर लाल गुप्त : तीन साढ़े तीन बजे बलराज मधोक जी चेयर में थे । उस वक्त यह मांग उठी थी कि रेडियो में यह खबर आ चुकी है और उस वक्त भी डा० राम सुभग सिंह जी ने कहा था कि म जाकर निवेदन कर दूंगा । अब पांच बज गए हैं । अभी तक कोई जवाब नहीं आया है । अगर इसी प्रकार से ये लोगों की भावनाओं से खेलते रहे और पाकिस्तान ने उस पर कब्ज़ा कर लिया तो उसकी प्रतिक्रिया कितनी खतरनाक होगी, इसका आप अन्दाज़ा सहज में लगा सकते हैं । कितना उसका देश पर असर पड़गा, इसका अनुमान भी आप लगा सकते हें । प्रधान मन्त्री के पास एवार्ड है और वह पार्टी के लीडरों को बुला कर बात कर रही हें । में जानना चाहता हूं कि हाउस को क्यों नहीं कान्फिडेंस में लिया जाता हैं । इस तरह अगर लाइटली हाउस को लिया जाएगा तो डेमोक्रेसी नहीं रह सकती है । जब हाउस मीट कर रहा है, इतना बड़ा एवार्ड देश के सामने है, देश का इतने मील हिस्सा पाकिस्तान को इस में दिया जा रहा है. . .

MR. DEPUTY-SPEAKER: I do not know whether the Prime Minister has got the award or not. But Mr. Patel has given information after verifying it; I take it that he is correct. Now that the Minister of Parliamentary Affairs has come, I shall explain the position to him. It appears that the radio had broadcast the news that the award had been given. The House is anxious to have a statement on the award. The hon. Member there says that Prime Minister has got a copy of the award and she is discussing it individually with the Ministers. I do not know whether it is so. A statement may be made on the floor of the House immediately because all sections of the House are eager to know about the award.

SHRI MANUBHAI PATEL: Mr. anxiety is not that; it is already announced. But my anxiety is about the information spread out that Pakistani

[Shri Manubhai Patel]

army were marching towards the Indian border. We want to know whether these forces had already started operation. That is my anxiety . . . (*Interruptions.*)

DR. RAM SUBHAG SINGH: I saw that telex message myself which says that ninety per cent of the area has been awarded to India by a majority judgement.. (*Interruptions*) I shall discuss this matter with the Prime Minister and in case she has got any authentic information, I shall request her to make a statement before 6 P. M. but in case she has not anything authentic, it will be done later on, perhaps tomorrow.

AN HON. MEMBER: Strategic area had gone to Pakistan?.. (*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: There is another suggestion.

Another is, they are apprehending some danger. On these two points, there is strong feeling. So, please convey this to her; (*Interruption*)

17.00 hrs.

SHRI KANWAR LAL GUPTA: She does not respond. What is the use of just conveying this?

DR. RAM SUBHAG SINGH: This is a matter to be dealt with very carefully. We should not be upset.

AN. HON. MEMBER: Very quickly also; and effectively.

DR. RAM SUBHAG SINGH: There, I agree. Effectively and quickly. (*Interruption*) I fully agree with that. But this state of mood is not going to take us forward in any way, because this might lead to much confusion. We can take effective action only when we all unite. Now, I will just go to the Prime Minister and make a request that in case she is in possession of authentic information, she may make a statement before six, and in case that information is not available, if it is only a telex information, then a statement will be given tomorrow.

श्री कंवरलाल गुप्त : हाउस को विश्वास दिलाना चाहिये कि दस परसेंट पर पाकिस्तान उस वक्त तक कब्जा नहीं करेगा जब तक सदन उसके बारे में डिसकस न कर ले ।

MR. DEPUTY-SPEAKER: The feeling of the House has been shown. He will convey it to her. Let us face the situation unitedly and calmly.

DR. RAM SUBHAG SINGH: What else can we do?

श्री कंवरलाल गुप्त : विश्वास दिलायें कि पाकिस्तान उस पर कब्जा नहीं करेगा ।

SHRI M. L. SONDHI: There has been an inspired and systematic propaganda for the last 10 days that India is getting most of it and only a little is going to Pakistan. Who is the judge of all this? This House must judge it, and not the Minister of Parliamentary Affairs. We must know why Mr. Swaran Singh and Gen. Sheikh agreed that this was a disputed territory. We must know why full preparation was not made, and why so many hearings took place and why we should accept this political verdict which is not a judicial verdict.

SHRI VASUDEVAN NAIR (Peermade): Are we going into the merits of the case?

MR. DEPUTY-SPEAKER: Order, order. I have given an opportunity. You have recorded your protest.

श्री रणधीर सिंह (रोहतक) : यह एश्योरेंस दें कि दस परसेंट पर वह कब्जा नहीं करेगा । मैं जानना चाहता हूं कि क्या हम तैयार हैं उनकी फौज ताकत का मुकाबला करने के लिये ? ऐसा तो नहीं है कि वह जबर्दस्ती दस परसेंट के बजाय बीस परसेंट पर कब्जा कर ले । वी शुड नाट बी काट नपिंग

श्री कंवर लाल गुप्त : उपाध्यक्ष महोदय, प्रधान मंत्री जी के पास अगर आफिशली एवार्ड नहीं है तो कम से कम सदन को विश्वास तो दिलायें कि उस जमीन का एक इंच

भाग भी पाकिस्तान को नहीं दिया जाएगा । इतना तों वह कह सकती हैं । जाबूझ कर वह यह कहना नहीं चाहती हैं । आहिस्ता आहिस्ता वह देश को इसके लिए तैयार कर रही हैं । देश के साथ वह गद्दारी कर रही हैं ।

MR. DEPUTY-SPEAKER: I cannot give a verdict on this. How can I say anything about this? (*Interruption*) What I would seay is, all this protest has been recorded and the feelings have been conveyed, and it would all be conveyed to the Prime Minister. After taking into consideration all the facts, either this evening, as he said, or—

DR. RAM SUBHAG SINGH: Just now we sent a note to the Lok Sabha Secretariat that she is making a statement tomorrow, but anyway, I am going to convey the feelings of the House to her. (*Interruption.*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Order, order. What I suggest is, let us proceed with the debate on the President's Address. As has been suggeseted here, and as observed by the Minister of Parliamentary Affairs, let us all face the situation calmly and unitedly.

17.04 hrs.

MOTION OF THANKS ON PRESIDENT'S ADDRESS—contd.

श्रीमती लक्ष्मी कांतम्मा (खम्मम) : उपाध्यक्ष महोदय । इस चर्चा में कई बातों पर सन में प्रकाश डाला गया है । आज हम ईतनी समस्याओं से से दो चार हैं कि समस्याओं की भीड़ में उनके सापेक्ष महत्व का मुल्यांकन करना की हो गया है ।

उलझनों की श्रृंखला ऐसे लगातार चल रही है कि हमारे मन में शायद वेदना शक्ति का लोप हो रहा है और हम कुछ सन्न से पड़ रहे हैं—

SHRI S. KANDAPPAN (Mettur): Let her speak in her mother-tongue.

MR. DEPUTY-SPEAKER: Nobody can dictate like that.

SHRI S. KANDAPPAN: Under what rule can she read her speech? She is reading from a prepared speech

श्रीमती लक्ष्मी कांतम्मा : मैं पेपर्ज को जो मेरे हाथ में है उनको रेफर कर रही हूं ।

SHRI S. KANDAPPAN: Sir, on a point of order. She says it is her right to read.

MR. DEPUTY-SPEAKER: She is referring to her notes.

SHRI S. KANDAPPAN: She herself just said that she is reading.

श्रीमती लक्ष्मी कांतम्मा : उपाध्यक्ष महोदय, कहावत है कि जो प्रतिदिन मरता हो, उसके लिए कौन रोयेगा ?

हमें इन मूलभुत समस्याओं की छान-बीन करके इनका हल ढुंडना पड़ेगा । इन मूलभूत समस्याओं को हल करने के फलस्वरूप कई अन्य समस्यायें या तो अपने आप सुलझ जायेंगी, या उनका हल बड़ी हद तक आसान हो जायेगा । मैं इस प्रकार की कुछ मूलभत समस्याओं की ओर संकेत करना चाहती हूं ।

मेरी समझ में आज भारत की सबसे बड़ी और मलभूत समस्या हमारे जनतंत्र के अस्तित्व की बन गई है । आज देश भर में हिंसा और अराजकता की स्थिति पैदा करने के जो प्रयत्न हो रहे है। उनसे स्पष्ट होता है कि कुछ लोगों ने जनतंत्र की हत्या करने की ठान ली है । वे देश में ऐसी अस्तव्यस्त परिस्थिति उत्पन्न करना चाहते हैं कि यहां पर जनतंत्र का पनपना असम्भव हो जाये । वे किसी की समस्या को लेकर जन साधारण को भड़काना चाहते हैं चाहे वह समस्या गम्भीर हो या न हो, आवश्यक हो या न हो, देश के हित में महत्वपूर्ण हो या न हो ।

मैं सरकार से निवेदन करना चाहती हूं कि आज एक ऐसी परिस्थिति आ गई है कि जनता बस इतना चाहती है कि देश के